भारत सरकार
गृह मंत्रालय
राजभाषा विभाग
**लोक सभा**

अतारांकित प्रश्न संख्या : 276

द्वारा : श्री ए.के.मूर्ति

उत्तर देने की तारीख : 06.07.2004

शीर्षक : **तमिल भाषा को बढ़ावा**

| **प्रश्न** | **उत्तर** |
|---|---|
| **276 श्री ए.के.मूर्ति :** | |
| क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः | गृह मंत्रालय में गृह राज्य मंत्री **(श्री एम.आर.गावित)** |
| (क) क्या तमिल को प्राचीन (क्लासिकल) भाषा घोषित किया गया है ; | (क) जी नहीं । |
| (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस प्रकार की घोषणा की क्या विशेषताएं होंगी ; | (ख) प्रश्न नहीं उठता । |
| (ग) क्या तमिल भाषा के विकास हेतु विशेष निधियां जारी करने का प्रस्ताव है; | (ग) तमिल सहित भारतीय भाषाओं के विकास का दायित्व केन्द्र तथा राज्य सरकारों का संयुक्त रूप से है। |
| (घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और<br><br>(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ? | (घ) तथा (ङ) केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर तमिल पुस्तकों की खरीद, तमिल पांडुलिपियों के प्रकाशन आदि के लिए सहायता-अनुदान देता है तथा विभिन्न राज्यों के शिक्षकों को तमिल भाषा का प्रशिक्षण देता है । राष्ट्रीय पुस्तक न्यास ने अनेक तमिल कृतियों का अन्य भाषाओं में अनुवाद किया है । साहित्य अकॉदमी द्वारा भी तमिल साहित्य के लिए पुरस्कार प्रदान |

| | |
|---|---|
| | किए जाते हैं । |